

न्यायालय डिवीजनल कमिश्नर जोधपुर
पीठासीन अधिकारी : कैलाश चन्द मीना, आई.ए.एस.
पैरोल अपील सं० 01/2022 अशोक कुमार बनाम राज० सरकार जरिये जिला कलेक्टर एवं
जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर

निर्णय

दिनांक 11.10.2022

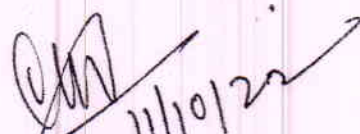
पत्रावली आज पेश हुई। यह अपील बंदी अशोक कुमार पुत्र नैनाराम, जाति दिशान्तरी निवासी आदर्श कॉलोनी जोधपुर रोड, पुलिस थाना भोपालगढ़ जिला जोधपुर, हाल-केन्द्रीय कारागृह जोधपुर, स्वयं के प्रार्थना पत्र दिनांक 01.01.2022 मार्फत अधीक्षक केन्द्रीय कारागृह जोधपुर (राज०) द्वारा प्रस्तुत की गई, जो अधीक्षक केन्द्रीय कारागृह जोधपुर के पत्र क्रमांक: कारा./प्रशा./पैरोल/2021/164 दिनांक 5.1.22 द्वारा न्यायालय हाजा को अग्रेसित की गई।

अपीलांट द्वारा यह अपील अन्तर्गत धारा 18 राज० प्रिजन्स रिलीज पैरोल क्लेस 2021 विरुद्ध आदेश अध्यक्ष, जिला पैरोल परामर्शदात्री समिति एवं जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर द्वारा बंदी अशोक कुमार को 07 दिवस की सामान्य पैरोल हेतु प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दिनांक 24.12.2021 को अस्वीकृत किये जाने के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है।

अपीलांट द्वारा अपील/प्रार्थना पत्र में उल्लेखित तथ्यों के अनुसार मुख्य रूप यह आग्रह किया गया कि बंदी आजीवन कारावास की सजा विगत 14 वर्षों से केन्द्रीय कारागृह जोधपुर में सदाचरण व शांति पूर्वक भुगत रहा है। बंदी को अपने नाबालिग बच्चों व बीमार पत्नी का ईलाज करवाने एवं उनके लिए उचित भरण-पोषण, शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था करने हेतु 07 दिवस की पैरोल स्वीकृत करावे। अपीलांट की उक्त अपील दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंड के सम्मन जारी किए गये व अधीनस्थ कार्यालय का रिकॉर्ड तलब किया गया।

इस दौरान प्रकरण में उपाधीक्षक, केन्द्रीय कारागृह जोधपुर द्वारा अति० जिला मजिस्ट्रेट (शहर-प्रथम) जोधपुर को संबोधित पत्र क्रमांक: कारा./सी.टी./2022/8419 दिनांक 16.09.2022 के द्वारा अवगत कराया कि श्रीमान शासन उप सचिव गृह (ग्रुप-12) विभाग राज० जयपुर के आदेश क्रमांक प.7(14)गृह-12/कारा./222 दिनांक 23.05.2022 एवं जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर के आदेश क्रमांक: न्याय/बंदी/स्थायी पैरोल/2022/1643 दिनांक 26.05.2022 की पालना में उक्त बंदी को स्थायी पैरोल पर रिहा कर दिया गया है, अतः बंदी को वर्तमान में 07 दिवस के पैरोल की आवश्यकता नहीं है।

अतः उपरोक्त स्थिति में अपीलांट द्वारा वांछित अनुतोष, अपेक्षित नहीं होने के कारण उक्त अपील स्वतः सारहीन हो जाने से, तदनुसार खारीज की जाती है। निर्णय आज दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 को खुले न्यायालय सुनाया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमार की जाकर नम्बर से कम की जावे। अधीनस्थ न्यायालय का रिकॉर्ड निर्णय की सत्यप्रति के साथ लौटाया जावे।


(कैलाश चन्द मीना)
डिविजनल कमिश्नर
डिविजनल कमिश्नर
जोधपुर